



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
१५०८८३१४०२७

दिनांक .५. ।।. २०२० पृष्ठ संख्या..... ३ कॉलम..... २५

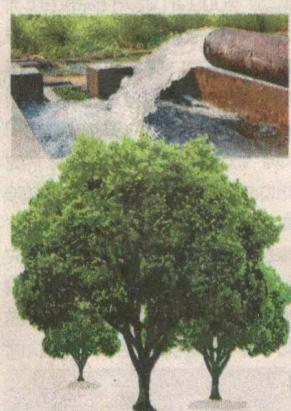
ऑनलाइन प्रशिक्षण

सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी संस्थान में किसानों को दी मिट्टी-पानी जांच के विषय में जानकारी

बाग लगाने से पहले मिट्टी-पानी की कराएं जांच

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में मिट्टी व पानी की जांच विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डा. अशोक गोदारा ने समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों से इस प्रशिक्षण के दौरान अनुभवों को साझा किया। साथ ही यहां से हासिल ज्ञान को अन्य किसानों तक पहुंचाते हुए जागरूक करने का आह्वान किया।

डा. सुरेन्द्र सिंह ने कहा कि किसान फलदार पौधों के बाग तो लगा लेते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव के चलते उससे उचित उत्पादन नहीं ले पाते। इसलिए किसानों को बाग लगाने से



पहले मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न होने के कारण उनसे उत्पादन कम मिल पाता है। इसलिए

सूक्ष्म तत्वों की कमी व दूर करने के तरीके बताएं

प्रशिक्षण के दौरान डा. ऊरा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से प्रयोगशाला में मिट्टी के अंदर मौजूद फारस्फोरस एवं पोटाश को निकालने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। डा. रोहताश ने सूक्ष्म तत्वों की कमी और उनको दूर करने के लक्षणों के बारे में बताया। डा. डीके शर्मा ने मौजूदा समय में उपयोग होने वाली नई तकनीकों की चर्चा की। इसके अलावा विशेषज्ञों ने मिट्टी-पानी जांच के विभिन्न पहलुओं

जैसे विद्युत चालकता, मिट्टी व पानी में पीएच मान आदि की जानकारी दी। साथ ही मिट्टी व पानी के जांच के आधार पर फसलों में बेहतर उत्पादन के लिए समग्र सिफारिशों को अपनाने की सलाह दी। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। समापन अवसर पर वैज्ञानिकों ने प्रतिभागियों के साथ उनके अनुभवों को लेकर विचार-विमर्श भी किया।

यदि मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति खाद व उर्वरकों द्वारा की जानी चाहिए।

उर्वरकों की मात्रा का निर्धारण

करते समय मिट्टी की उपजाऊ शक्ति तथा फसल द्वारा अवशोषित किये गये पोषक तत्वों की मात्रा को ध्यान में रखना आवश्यक है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... - पंजाब कैसरी

दिनांक ५. १. २०२१ पृष्ठ संख्या..... २ कॉलम..... ५. ७

'बाग लगाने से पहले मिट्टी व पानी की जांच अवश्य करवाएं किसान'

हिसार, 3 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 'मिट्टी व पानी की जांच' विषय पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ।

सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों से इस प्रशिक्षण के दौरान अनुभवों को साझा किया व यहां से हासिल ज्ञान को

■ मिट्टी-पानी जांच विषय पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

अन्य किसानों तक पहुंचाते हुए जागरूक करने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. मुरोंद्र सिंह ने कहा कि किसान फलदार पौधों के बाग तो लगा लेते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव के चलते बाग से उचित उत्पादन नहीं ले पाते। इसलिए किसानों को बाग लगाने

से पहले मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. उषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से प्रयोगशाला में मिट्टी के अंदर मौजूद फास्फोरस एवं पोटाश को निकालने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर वैज्ञानिकों ने प्रतिभागियों के साथ प्रशिक्षण संबंधी उनके अनुभवों को लेकर विचार-विमर्श भी किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पैन्ना मासिक.....

दिनांक ५. ११. २०२०पृष्ठ संख्या.....५.....कॉलम.....३-५.....

बेहतर उत्पादन के लिए बाग लगाने से पहले मिट्टी व पानी की जांच करवाएँ : डॉ. सुरेंद्र सिंह

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 'मिट्टी व पानी की जांच' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण हुआ। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने प्रशिक्षण के समापन पर प्रशिक्षणार्थियों से अनुभवों को साझा किया। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि किसान फलदार पौधों के बाग तो लगा लेते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव के चलते बाग से उचित उत्पादन नहीं ले पाते। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न होने के कारण उनसे उत्पादन कम मिल पाता है। इसलिए यदि मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति खाद व उर्वरकों द्वारा की जानी चाहिए। उर्वरकों की मात्रा का निर्धारण करते समय मिट्टी की उपजाऊ शक्ति तथा फसल द्वारा अवशोषित किए गए पोषक तत्वों की मात्रा को ध्यान में रखना आवश्यक है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	04.11.2020	--	--

मिट्टी-पानी जांच विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

हिसार (सच कहूँ न्यून)। चौधरी चरण निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों से इस सुरेंद्र सिंह ने कहा कि किसान फलदार है। इसलिए यदि मिट्टी में किसी तत्व की साधना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण प्रशिक्षण के दौरान अनुभवों की साझा पौधों के बाग तो लगा लेते हैं, लेकिन एवं शिक्षण संस्थान में 'मिट्टी व पानी की किया व यहाँ से हासिल ज्ञान को अन्य जानकारी के अभाव के चलते बाग से कमी हो तो उसकी पूर्ति खाद व उर्वरकों द्वारा की जानी चाहिए। उर्वरकों की मात्रा जांच विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन किसानों तक पहुँचाते हुए जागरूक करने उचित उत्पादन नहीं ले पाते। इसलिए का निर्धारण करते समय मिट्टी को प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण का किसानों को बाग लगाने से पहले मिट्टी उपजाऊ शक्ति तथा फसल द्वारा साधना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण आयोजन विस्तर शिक्षा निदेशक डॉ. की जांच अवश्य करवानी चाहिए। पौधों एवं शिक्षण संस्थान के सह- आर.एस. हृदृ की देखरेख व मार्गदर्शन में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न होने अवश्यक की जानी चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	04.11.2020	--	--

बाग लगाने से पहले मिट्टी व पानी की जांच करवाएं किसान

● हकृति में निट्री-पानी जांच किया पर तीन दिवारीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

हिसार, 3 नवंबर (सुरेंद्र सोढ़ी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 'मिट्टी व पानी की जांच' विषय पर तीन दिवारीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समाप्त हुआ।

सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने समाप्त अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों से इस प्रशिक्षण के दौरान अनुभवों को साझा किया व यहां से हासिल ज्ञान को अन्य किसानों तक पहुंचाते हुए जागरूक करने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक



ऑनलाइन माध्यम से आयोजित प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को संबोधित करते वैज्ञानिक एवं बौजूद प्रतिभागी।

डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि किसान फलदार पौधों के बाग तो लगा लेते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव के चलते बाग से उचित उत्पादन नहीं ले पाते। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। पौधों में आवश्यक पोषक

तत्वों की पूर्ति न होने के कारण उनसे उत्पादन कम बिल पाता है। इसलिए उद्दि मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति खाद व उवरकों द्वारा की जानी चाहिए। उवरकों की मात्रा का निर्धारण करते समय मिट्टी की ऊजाऊ शक्ति तथा फसल द्वारा अवशोषित किये गये पोषक तत्वों की मात्रा को ध्यान में रखना आवश्यक है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	04.11.2020	--	--

बेहतर उत्पादन के लिए बाग लगाने से पहले मिटटी व पानी की जांच अवश्य करवाएं किसान

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 'मिटटी व पानी की जांच' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों से इस प्रशिक्षण के दौरान अनुभवों को साझा किया व यहां से हासिल ज्ञान को अन्य किसानों तक पहुंचाते हुए जागरूक करने का आवान किया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुइडा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि किसान फलदार पौधों के बाग तो लगा लेते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव के चलते बाग से उचित



ऑनलाइन माध्यम से आयोजित प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को संबोधित करते वैज्ञानिक एवं मौजूद प्रतिभागी।

उत्पादन नहीं ले पाते। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले मिटटी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न होने के कारण उनसे उत्पादन कम मिल पाता है। इसलिए यदि मिटटी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति खाद व उर्वरकों द्वारा की जानी चाहिए। उर्वरकों की मात्रा का निर्धारण करते समय मिटटी की उपजाऊ शक्ति तथा फसल द्वारा अवशोषित किये गये पोषक तत्वों की मात्रा को ध्यान में रखना आवश्यक है।

सूखम तत्वों की कमी व दूर करने के तरीके बताए

प्रशिक्षण के दौरान डॉ. उषा वर्षिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से प्रयोगशाला में मिटटी के अंदर मौजूद फास्फोरस एवं पोटाश को निकालने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। डॉ. रोहताश ने सूखम तत्वों की कमी और उनको दूर करने के लक्षणों के बारे में बताया। डॉ. क. सर्गा ने मौजूदा समय में उपयोग होने वाली नई तकनीकों की चर्चा की। इसके अलावा विशेषज्ञों ने मिटटी-पानी जांच के विभिन्न पहलुओं जैसे विद्युत चालकता, मिटटी व पानी में पोषक मान आदि की जानकारी दी। साथ ही मिटटी व पानी के जांच के आधार पर फसलों में बेहतर उत्पादन के लिए समग्र सिकारिशों का अपनाने की सलाह दी। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर वैज्ञानिकों ने प्रतिभागियों के साथ प्रशिक्षण संबंधी उनके अनुभवों को लेकर विचार-विमर्श भी किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	03.11.2020	--	--

मिट्टी-पानी जांच विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 'मिट्टी व पानी की जांच' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। साथना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने समापन अवसर पर

प्रशिक्षणाधियों से इस प्रशिक्षण के दौरान अनुभवों को साझा किया व यहां से हासिल ज्ञान को अन्य किसानों तक पहुंचाते हुए जागरूक करने का आह्वान किया।

इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि किसान फलदार पौधों के बाग तो लगा लेते

हैं, लेकिन जानकारी के अभाव के चलते बाग से उचित उत्पादन नहीं ले पाते। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न होने के कारण उनसे उत्पादन कम मिल पाता है। इसलिए यदि मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति खाद व उर्वरकों द्वारा की जानी चाहिए। उर्वरकों की मात्रा का

निर्धारण करते समय मिट्टी की उपजाऊ शक्ति तथा फसल द्वारा अवशोषित किये गये पोषक तत्वों की मात्रा को ध्यान में रखना आवश्यक है। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर वैज्ञानिकों ने प्रतिभागियों के साथ प्रशिक्षण संबंधी उनके अनुभवों को लेकर विचार-विमर्श भी किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

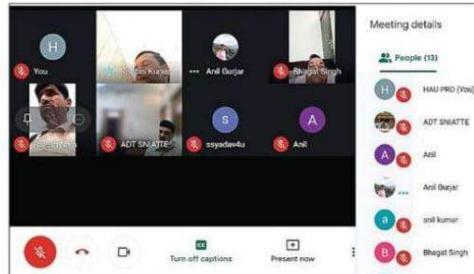
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	03.11.2020	--	--

बेहतर उत्पादन के लिए बाग लगाने से पहले मिट्टी व पानी की जांच अवश्य करवाएं किसान

मिट्टी-पानी जांच विषय पर
तीन दिवसीय ऑनलाइन
प्रशिक्षण संपर्क

पांच बजे व्हाइट

हिस्सा। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथना नेहवाल कृषि प्रैदूषिकों प्रशिक्षण एवं शिखण संस्थान में 'मिट्टी व पानी की जांच' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। साथना नेहवाल कृषि प्रैदूषिकों प्रशिक्षण एवं शिखण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों से इस प्रशिक्षण के दैर्घ्य अनुभवों की साझा किया व वहां से हासिल ज्ञान को अन्य किसानों



तक पहुंचाते हुए जागरूक करने का आव्याय शिखा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड़ा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण

के दैर्घ्य डॉ. सुरेन्द्र सिंह ने कहा कि किसान फलदार पौधों के बाग तो लगा लते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव के चलते बाग से उत्पाद उत्पादन नहीं होता। इसीलिए विस्तरों को बाग लगाने से पहले मिट्टी की जांच अवश्य तर्कसंबंधी न होने के कारण उनसे उत्पादन कम मिल पाता है। इसलिए, यदि मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसको पूर्ति खाद व उत्पादकों द्वारा की जानी चाहिए। उत्पादकों की मात्रा का निर्धारण करते समय मिट्टी की उपजाक शर्करा तथा फसल द्वारा अवशोषित किये गये पोषक तत्वों की मात्रा को ध्यान में रखना अवश्यक है। साथ ही मिट्टी व पानी के जांच के आधार पर फसलों में बेहतर उत्पादन के लिए समग्र सिकारियों को अपनाने की सलाह दी। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर वैदानिकों ने प्रतिभागियों के साथ प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से प्रयोगशाला में मिट्टी के अंदर मोर्जुद

फास्सोरस एवं पोटाश को निकालने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। डॉ. रोहताश ने सुसम तत्वों की कमी और उनको दूर करने के लक्षणों के बारे में बताया। डॉ. ही.के.र. शर्मा ने मौजूदा समय में उपयोग होने वाली नई तकनीकों की चर्चा की। इसके अलावा विशेषज्ञों ने मिट्टी-पानी जांच के विभिन्न पहलुओं जैसे विवृत चालकता, मिट्टी व पानी में पीएच मान आदि की जानकारी दी। साथ ही मिट्टी व पानी के जांच के आधार पर फसलों में बेहतर उत्पादन के लिए समग्र सिकारियों को अपनाने की सलाह दी। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर वैदानिकों ने प्रतिभागियों के साथ प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से प्रयोगशाला में मिट्टी के अंदर मोर्जुद



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	03.11.2020	--	--

बेहतर उत्पादन के लिए बाग लगाने से पहले मिट्टी व पानी की अवश्य करवाएं किसान

मिट्टी-पानी जांच विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

समस्त हरियाणा न्यूज हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 'मिट्टी व पानी की जांच' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने समापन अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों से इस प्रशिक्षण के दौरान अनुभवों को साझा किया व यहां से हासिल ज्ञान को अन्य किसानों तक पहुंचाते हुए जागरूक करने का आह्वान किया।

इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सुरेंद्र सिंह ने कहा

कि किसान फलदार पौधों के बाग तो लगा लेते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव के चलते बाग से उचित उत्पादन नहीं ले पाते। इसलिए किसानों को बाग लगाने से पहले मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न होने के कारण उनसे उत्पादन कम मिल पाता है।

सूक्ष्म तत्वों की कमी व दूर करने के तरीके बताएँ : प्रशिक्षण के दौरान डॉ. उषा वशिष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से प्रयोगशाला में मिट्टी के अंदर मौजूद फास्फोरस एवं पोटाश को निकालने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। डॉ. रोहताश ने सूक्ष्म तत्वों की कमी और उनको दूर करने के लक्षणों के बारे में बताया। डॉ. डी.के. शर्मा ने मौजूदा समय में उपयोग होने वाली नई तकनीकों की चर्चा की। इसके अलावा विशेषज्ञों ने मिट्टी-पानी जांच के विभिन्न पहलुओं जैसे विद्युत चालकता, मिट्टी व पानी में पीएच मान आदि की जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार न्यूज	03.11.2020	--	--

बाग लगाने से पहले मिट्टी व पानी की जांच अवश्य करवाएं किसान

हिसार, 3 नवम्बर (राज पराशर) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथन नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 'मिट्टी व पानी की जांच' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। साथन नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डा.

मिट्टी-पानी जांच विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

अशोक गोदारा ने समापन अवस्थ पर प्रशिक्षणार्थियों से इस प्रशिक्षण के दौरान अनुभवों को साझा किया व वहां से हासिल ज्ञान को अन्य किसानों तक पहुंचाते हुए जागरूक करने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षण निदेशक डा. आर एस हुड्डा की देखरेख व मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान डा. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि किसान फलदार पौधों के बाग तो लगा लेते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव के चलते बाग से उचित उत्पादन नहीं ले पाते। इसलिए किसानों

को बाग लगाने से पहले मिट्टी की जांच अवश्य करवानी चाहिए। पौधों में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति न होने के कारण उससे उत्पादन कम मिल पाता है। इसलिए यह मिट्टी में किसी तत्व की कमी हो तो उसकी पूर्ति खाद व उर्वरकों द्वारा की जानी चाहिए। उर्वरकों की मात्रा का निर्धारण करते समय मिट्टी की उपजाऊ शक्ति तथा फसल द्वारा अवशोषित किये गये पोषक तत्वों की मात्रा को ध्यान में रखना आवश्यक है। प्रशिक्षण के दौरान डा. उषा वर्षीष्ठ ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से प्रयोगशाला में मिट्टी के अंदर मौजूद फसलोंसे एवं पोटाश को निकालने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। मिट्टी व पानी के जांच के आधार पर फसलों में बेहतर उत्पादन के लिए समग्र सिफारिशों को अपनाने की सलाह दी। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 30 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से हिस्सा लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

भौज का भास्कर

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक ५. ११. २०२० पृष्ठ संख्या ६ कॉलम ७-८

24 और 31 अक्टूबर को हुई थी परीक्षाएं

एचएयू : प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम 9 नवंबर को आएगा

बीएससी एग्री. व मत्स्य के चार के चार वर्षीय कोर्स के लिए 6143 दी थी परीक्षा
भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स और बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स की 24 व 31 अक्टूबर को आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 9 नवंबर को जारी किए जाएंगे।

यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज ने दी। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे थे। प्रवेश परीक्षा के लिए 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी।

एचएयू कैंपस के अलावा कृषि कॉलेज बावल व कौल में भी होंगे दाखिल

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए 50 सीटें जबकि बीएससी होम साइंस में कम्यूनिटी साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 80 सीटें निर्धारित की हैं। बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए निर्धारित 50 सीटें पर दाखिले के बाद उन्हें कृषि महाविद्यालय बावल में सीटें अलॉट की जाएंगी। बीएससी होम साइंस में कम्यूनिटी साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए एचएयू कैंपस में ही सीटें अलॉट की जाएंगी। बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए 105 सीटें एचएयू कैंपस, 25 सीटें कृषि महाविद्यालय बावल व 25 सीटें कृषि महाविद्यालय कौल (कैथल) और बीएससी मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए 20 सीटें एचएयू कैंपस के लिए निर्धारित की हैं।

1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
प्रीनाम ता१२१७

दिनांक ५. ११. २०२० पृष्ठ संख्या..... ४ कॉलम..... ६

एचएयू की प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम 9 को होगा जारी

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स और बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स की 24 व 31 अक्टूबर को आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 9 नवंबर को जारी किए जाएंगे। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बीआर कंबोज ने दी। बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि 5875 अनुपस्थित रहे थे। इस प्रवेश परीक्षा के लिए 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी, जबकि 1867 अनुपस्थित रहे।

कृषि महाविद्यालय बावल व कौल में भी होंगे दाखिले: परीक्षा नियंत्रक डा. एसके पाहुजा ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए निर्धारित 50 सीटों पर दाखिले के बाद उन्हें कृषि महाविद्यालय बावल में सीटें अलॉट की जाएंगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....
पंजाब के सरो, दीर्घ भवित्व
दिनांक ५. ११. २०२० पृष्ठ संख्या..... २, १. कॉलम..... १-२, २-३.

एच.ए.यू. के ४ व ६ वर्षीय कोर्स के दाखिले की प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम ९ को

हिसार, ३ नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बी.एस.सी. एग्रीकल्चर व मत्स्य के ४ वर्षीय कोर्स और बी.एस.सी. एग्रीकल्चर के ६ वर्षीय व होम साइंस के ४ वर्षीय कोर्स की २४ व ३१ अक्तूबर को आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम ९ नवम्बर को जारी किए जाएंगे। कुलसचिव डॉ. बी.आर.

कंबोज ने बताया कि गत २४ अक्तूबर को बी.एस.सी. एग्रीकल्चर व मत्स्य के ४ वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था।

इसी प्रकार बी.एस.सी. एग्रीकल्चर के ६ वर्षीय व होम साइंस के ४ वर्षीय कोर्स के लिए ३१ अक्तूबर को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी।

एचएयू के चार व छह वर्षीय कोर्स के दाखिले की प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम ९ नवंबर को होगा जारी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स और बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स की २४ व ३१ अक्तूबर को आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम ९ नवंबर को जारी किए जाएंगे। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने दी। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के चलते हुए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए २४ अक्तूबर को बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए ३१ अक्तूबर को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे थे। परीक्षा के लिए 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	04.11.2020	--	--

हृषि के 4-6 वर्षीय कोर्स के दाखिले की प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम 9 को

● प्रवेश परीक्षा के लिए 12018
परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन
माध्यम से आवेदन किया

हिसार, 3 नवंबर (सुरेंद्र सोढ़ी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मर्ट्स के चार वर्षीय कोर्स और बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स की 24 व 31 अक्टूबर को आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के लिए 24 व 31 अक्टूबर को आयोजित प्रवेश



परीक्षाओं के लिए 24 व 31 अक्टूबर को आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के लिए जारी किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कपोर ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते हुए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए 24 अक्टूबर को बीएससी एग्रीकल्चर व मर्ट्स के चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षाओं का

बावल व कौल में भी होंगे दाखिले

परीक्षा निवंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए 50 सौटे जबकि बीएससी होम साइंस में कम्युनिटी साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 80 सौटे निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए निर्धारित 105 सौटे एचएम कैपस, 25 सौटे कृषि महाविद्यालय बावल व 25 सौटे कृषि महाविद्यालय कौल(कैथल) और बीएससी मर्ट्स के चार वर्षीय कोर्स के लिए 20 सौटे एचएम कैपस के लिए निर्धारित की गई हैं।

आयोजन किया गया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 31 अक्टूबर को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मर्ट्स के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुमति रहे। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	04.11.2020	--	--

प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम 9 को

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्त्य के चार वर्षीय कोर्स और बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स की 24 व 31 अक्टूबर को आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 9 नवंबर को जारी किए जाएंगे। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने दी। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के चलते हुए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए 24 अक्टूबर को बीएससी एग्रीकल्चर व मत्त्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षा ओं का आयोजन किया गया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 31 अक्टूबर को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्त्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6 143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5 875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे थे। इस प्रवेश परीक्षा के लिए 1 2018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3 424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस परीक्षा के लिए 5 291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	04.11.2020	--	--

एचएयू के चार व छह वर्षीय कोर्स के दाखिले की प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम 9 नवंबर को होगा जारी

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स और बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स की 24 व 31 अक्टूबर को आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 9 नवंबर को जारी किए जाएंगे।

यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने दी। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के चलते हुए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए 24 अक्टूबर को बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 31 अक्टूबर को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी।

उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में



विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज का फाइल फोटो।

6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे थे। इस प्रवेश परीक्षा के लिए 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था।

एचएयू कैंपस हिसार के अलावा कृषि महाविद्यालय बाबल व कैलमें भी होंगे दाखिले

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए 50 सीटें जबकि बीएससी होम साइंस में कम्पूनिटी साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 80 सीटें नियारित की गई हैं। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए नियारित 50 सीटों पर दाखिले के बाद उन्हें कृषि महाविद्यालय बाबल में सीटें अलॉट की जाएंगी। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस में कम्पूनिटी साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए एचएयू कैंपस में ही सीटें अलॉट की जाएंगी। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए 105 सीटें एचएयू कैंपस, 25 सीटें कृषि महाविद्यालय बाबल व 25 सीटें कृषि महाविद्यालय कौल (कैथल) और बीएससी मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए 20 सीटें एचएयू कैंपस के लिए नियारित की गई हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	03.11.2020	--	--

एचएयू के चार व छह वर्षीय कोर्स के दाखिले की प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम 9 नवंबर को

टुडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स और बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स की 24 व 31 अक्तूबर को आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 9 नवंबर को जारी किए जाएंगे।

यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने दी। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के चलते हुए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए 24 अक्तूबर को बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। इसी प्रकार



एचएयू कैंपस हिसार के अलावा कृषि महाविद्यालय बावल व कौलम में भी होंगे दाखिले

परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए 50 सीटें जबकि बीएससी होम साइंस में कम्प्यूनिटी साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 80 सीटें नियंत्रित की गई हैं। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए नियंत्रित 50 सीटों पर दाखिले के बाद उन्हें कृषि महाविद्यालय बावल में सीटें अलॉट की जाएंगी। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस में कम्प्यूनिटी साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए एचएयू कैंपस में ही सीटें अलॉट की जाएंगी। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए 105 सीटें एचएयू कैंपस, 25 सीटें कृषि महाविद्यालय बावल व 25 सीटें कृषि महाविद्यालय कौल(कैथल) और बीएससी मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए 20 सीटें एचएयू कैंपस के लिए नियंत्रित की गई हैं। उन्होंने परीक्षार्थियों व अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे इन कोर्सों में दाखिला संबंधी अन्य नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट admissions.hau.ac.in and hau.ac.in पर विरंतर चेक करते रहें।

ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस के छह वर्षीय व होम साइंस के परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 आवेदन किया था।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पत्स	03.11.2020	--	--

सॉकेप्ट समाचार

एचएयू के चार व छह वर्षीय कोर्स के दाखिले की प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम 9 नवंबर

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एव्हीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स और बीएससी एव्हीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स की 24 व 31 अक्टूबर को आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 9 नवंबर को जारी किए जाएंगे। यह जनकारी कुलासचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने दी। उन्होंने बताया कि 24 अक्टूबर को बीएससी एव्हीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। इसी प्रकार बीएससी एव्हीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 31 अक्टूबर को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी। उन्होंने बताया कि बीएससी एव्हीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे थे। इस प्रवेश परीक्षा के लिए 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। इसी प्रकार बीएससी एव्हीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	03.11.2020	--	--

एचएयू के चार व छह वर्षीय कोर्स के दाखिले की प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम 9 को

समस्त हरियाणा न्यूज किया गया था। इसी प्रकार हिसार। चौधरी चरण सिंह बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के व होम साईंस के चार वर्षीय कोर्स बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के के लिए 31 अक्टूबर को प्रवेश चार वर्षीय कोर्स और बीएससी परीक्षा आयोजित की गई थी। एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम उन्होंने बताया कि बीएससी साईंस के चार वर्षीय कोर्स की 24 एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय व 31 अक्टूबर को आयोजित प्रवेश कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 9 नवंबर को जारी किए जाएंगे। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. वी.आर. कंबोज ने दी। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के चलते हुए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह हिंदायतों का पालन करते हुए 24 वर्षीय व होम साईंस के चार वर्षीय अक्टूबर को बीएससी एग्रीकल्चर कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 लिए प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	03.11.2020	--	--

एचएयू के चार व छह वर्षीय कोर्स के दाखिले की प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम 9 नवंबर को होगा जारी

पाठकपक्ष न्यूज, हिसार, 3 नवम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स और बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स की 24 व 31 अक्तूबर को आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम 9 नवंबर को जारी किए जाएंगे। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने दी। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के चलते हुए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए 24 अक्तूबर को बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 31 अक्तूबर को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे थे। इस प्रवेश परीक्षा के लिए 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। उन्होंने परीक्षार्थियों व अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे इन कोर्सों में दाखिला संबंधी अन्य नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट admissions.hau.ac.in and hau.ac.in पर निरंतर चेक करते रहें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार न्यूज	03.11.2020	--	--

एचएयू के चार व छह वर्षीय कोर्स के दाखिले की प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम 9 को

हिसार, 3 नवम्बर (राज पटाशर) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स और बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स की 24 व 31 अक्टूबर को आयोजित प्रवेश

परीक्षाओं के परिणाम 9 नवम्बर को जारी किए जाएंगे। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. बी कंबोज ने दी। उन्होंने आठ केबिनेट (छाया : राज पटाशर)



परीक्षा के लिए 5291 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था। परीक्षा नियंत्रक डा. एस के पाहुजा ने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए 50 सीटें, जबकि बीएससी होम साइंस में कम्यूनिटी साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 80 सीटें नियांसित की गई हैं। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय कोर्स के लिए नियांसित 50 सीटों पर दाखिले के बाद उन्हें कृषि महाविद्यालय बाबल में बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर व मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 6143 परीक्षार्थी शामिल हुए। जबकि 5875 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे थे। इस प्रवेश परीक्षा के लिए 12018 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से आवेदन किया था। इसी प्रकार बीएससी एग्रीकल्चर के छह वर्षीय व होम साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए 3424 परीक्षार्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी जबकि 1867 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस

सीटें अलॉट की जाएंगी। इसी प्रकार बीएससी होम साइंस में कम्यूनिटी साइंस के चार वर्षीय कोर्स के लिए एचएयू कैपस में ही सीटें अलॉट की जाएंगी। उन्होंने बताया कि बीएससी एग्रीकल्चर के चार वर्षीय कोर्स के लिए 105 सीटें एचएयू कैपस, 25 सीटें कृषि महाविद्यालय बाबल व 25 सीटें कृषि महाविद्यालय कौल (कैथल) और बीएससी मत्स्य के चार वर्षीय कोर्स के लिए 20 सीटें एचएयू कैपस के लिए नियांसित की गई हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टवीट डीपीआर हरियाणा	03.11.2020	--	--

4G | 4G 9:24 42.4 KB/s

3G Volte 4G (88%)

← Tweet



DPR Haryana

@DiprHaryana

Results of entrance
examinations conducted for
the four-year course of [B.Sc](#)
Agriculture and Fisheries,
six-year course of [B.Sc](#)
Agriculture and four-year
Home Science course of
[@ccshauofficial](#) will be
announced on November 9,
2020.

[@cmohry](#)



Tweet your reply

